महाविद्यालय द्वारा 8 फरवरी, 2016 को अपना 93वाँ महाविद्यालय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री किरेन रीजीजू मुख्य अतिथि थे। वे सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय रहे हैं और उन्होंने अनेक सामाजिक आंदोलनों का नेतृत्व किया है। श्री रीजीजू हंसराज कॉलेज के स्नातक हैं और उन्होंने कैम्पस लॉ सेंटर, विधि संकाय से एल.एल.बी. की है। वे उत्तर-पूर्व को राष्ट्रीय मुख्यधारा से जोड़ने के प्रबल समर्थक हैं।

हमारी विशिष्ट पूर्व छात्रा अतिथि सुश्री अरुणा ब्रूटा थीं जो दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान की प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) रही हैं। प्रोफेसर ब्रूटा अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त प्रतिष्ठित नैदानिक मनोविज्ञानी हैं। वे 1960-65 में इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय की छात्रा रही हैं। प्रोफेसर ब्रूटा मनोविज्ञान ऑनर्स के पहले बैच की छात्रा थीं। उन्होंने किशोरों के लिए अवसाद के खिलाफ टीकाकरण पर कार्यक्रमों का संचालन किया है।

इस अवसर पर प्राचार्या द्वारा महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमें संस्था की दृष्टि और उपलब्धियाँ, शिक्षा, खेल, पाठ्येतर और सह-पाठ्येतर गतिविधियों में छात्राओं की उपलब्धियाँ शामिल थीं। वार्षिक रिपोर्ट में शैक्षणिक स्टाफ और गैर शैक्षणिक स्टाफ की उपलब्धियों, प्रकाशन आदि का भी उल्लेख किया गया।

महाविद्यालय दिवस का मुख्य आकर्षण था - सफल छात्राओं, कक्षाओं में उच्चा स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं और उत्कृष्ट छात्रा एवं चहुँमुखी उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार। इस अवसर पर महाविद्यालय उत्कृष्टता पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। उत्कृष्ट छात्रा का पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) दर्शन शास्त्र की नारायणी तिगनाथ और बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र की आकांक्षा वरदानी को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। चहुँमुखी उत्कृष्टता पुरस्कार बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत की निहिता कुमारी को प्रदान किया गया। महाविद्यालय उत्कृष्टता पुरस्कार छह छात्राओं को प्रदान किए गए - बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र की अनीषा पर्वथानेनी, बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी की अपूर्वा शेखर, बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र की आयशा सरीन, बी.जे.एम.सी. की निकुंजिका कामरा, बी.एससी ऑनर्स गणित की स्मृति कंडारी और बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास की तारा बिनयकुमार आचार्य।